लू गैरिग

सबसे खुशनसीब इन्सान

डेविड ए. एडलर

चित्रः टैरी वाइडनर

पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



लू गैरिग
सबसे खुशनसीब इन्सान

लेखनः डेविड ए. एडलर

चित्रः टैरी वाइडनर

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा





फिल रिज़ुटो के लिए, जिनके निपुण
हाथों और रहमदिली ने न्यू यॉर्क
निवासियों की कई पीढ़ियों को खुशी
दी, और माइकल सैथ एडलर के लिए
जो रिज़ुटो का सबसे बड़ा प्रशंसक है।

- डी.ए.ए.

मेरी पत्नी लेसली और हमारे बच्चों
केट, कैली, माइकल
और मिशेल के लिए।

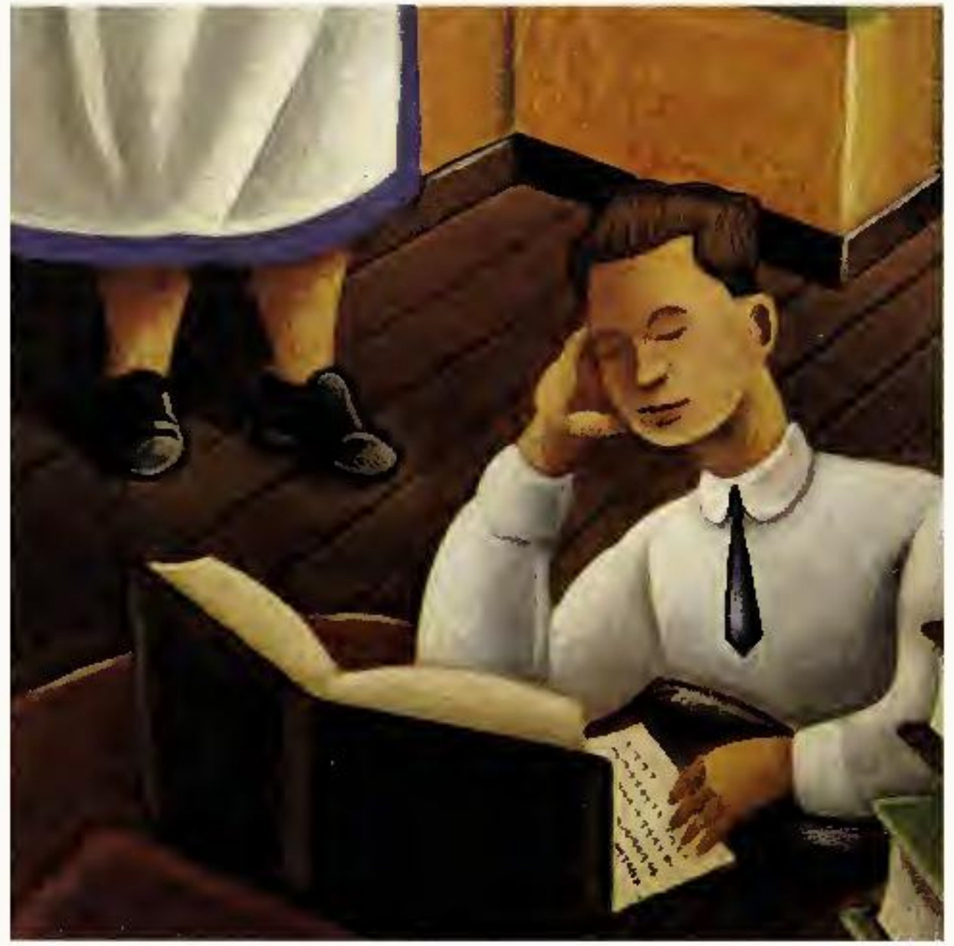
- टी. डब्ल्यू.





1903 कई महान शुरुआतों का वर्ष था। हैनरी फोर्ड ने अपनी पहली ऑटोमोबाइल (मोटर कार) बेची! राइट बंधुओं ने हवाई जहाज की पहली उड़ान भरी। बेसबॉल की पहली विश्व श्रृंखला खेली गई। बेसबॉल खिलाड़ियों की एक टीम, जो बाद में यैंकीस् कहलाई, इसी वर्ष बॉल्टीमोर से न्यू यॉर्क चली आई। साथ ही 19 जून 1903 को हैनरी लू गैरिग का जन्म हुआ। आगे चल कर वे बेसबॉल के इतिहास में महानतम खिलाड़ियों में एक बने।

लू गैरिग न्यू यॉर्क शहर के यॉर्कविल इलाके में पैदा हुए थे। इस इलाके में लू के माता-पिता जैसे ग़रीब प्रवासी बसते थे जो जर्मनी से अमरीका आए थे।



क्रिस्टियाना गैरिग की अपने बेटे को लेकर भारी उम्मीदें थीं। उन्होंने तय कर लिया था कि उनका बेटा कॉलेज की पढ़ाई पूरी करेगा और अकाउन्टेंट (लेखाकार) या इन्जिनियर बनेगा। वे लू से पढ़ाई में कड़ी मेहनत करने को कहा करती थीं। ग्रेड स्कूल के पूरे आठ वर्षों में लू एक दिन भी स्कूल से गैर-हाज़िर नहीं रहे।

लू की माँ को लगता था कि खेल-कूद समय की बर्बादी है। पर लू को खेलों से प्यार था। सो वह सुबह जल्दी उठता ताकि वह अपने पसंदीदा खेल - बेसबॉल, सॉकर और फुटबॉल खेल सके। लू स्कूल जाने का समय होने तक खेलता। हाई स्कूल में लू अपने स्कूल की बेसबॉल टीम का सितारा था।



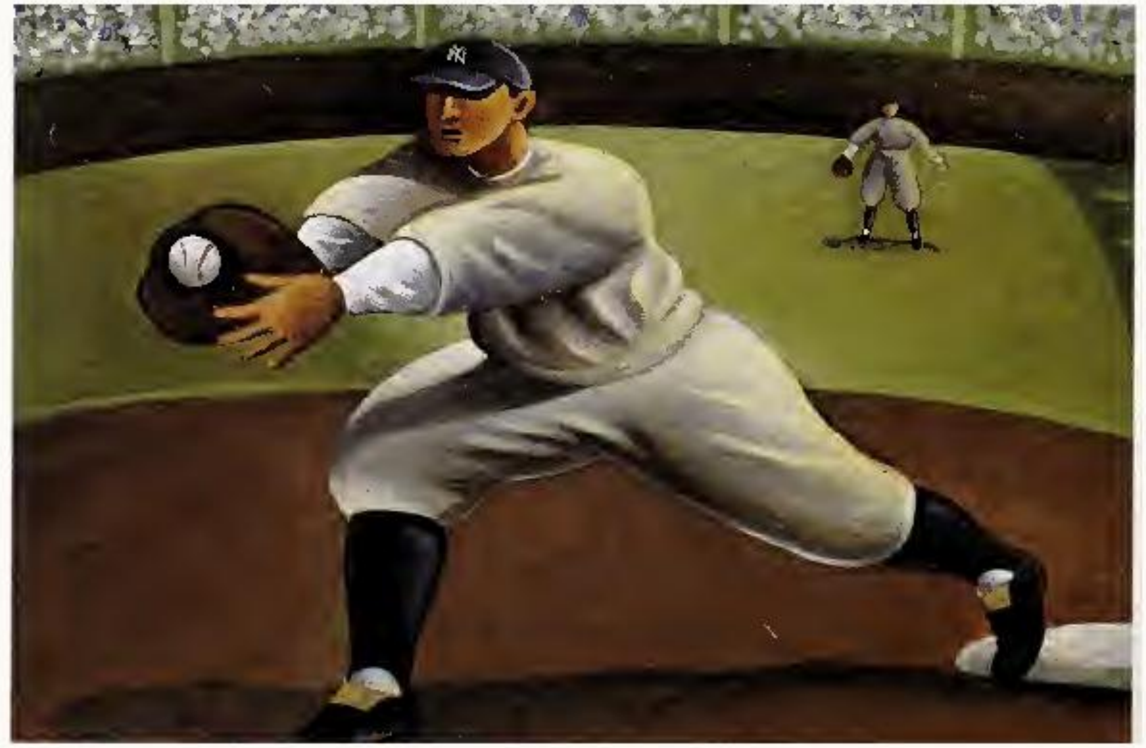


हाई स्कूल पूरा करने के बाद लू गैरिग कोलम्बिया विश्वविद्यालय में गया। वह वहाँ भी अपने कॉलेज की बेसबॉल टीम का हिस्सा था। 26 अप्रेल 1925 को न्यू यॉर्क यैंकीस् के एक टोही ने लू को खेलते देखा। इस खेल में लू ने दो दूर के होम रन मारे। इसके कुछ ही समय बाद लू ने यैंकीस् के लिए खेलने के अनुबंध पर दस्तख़त किए।

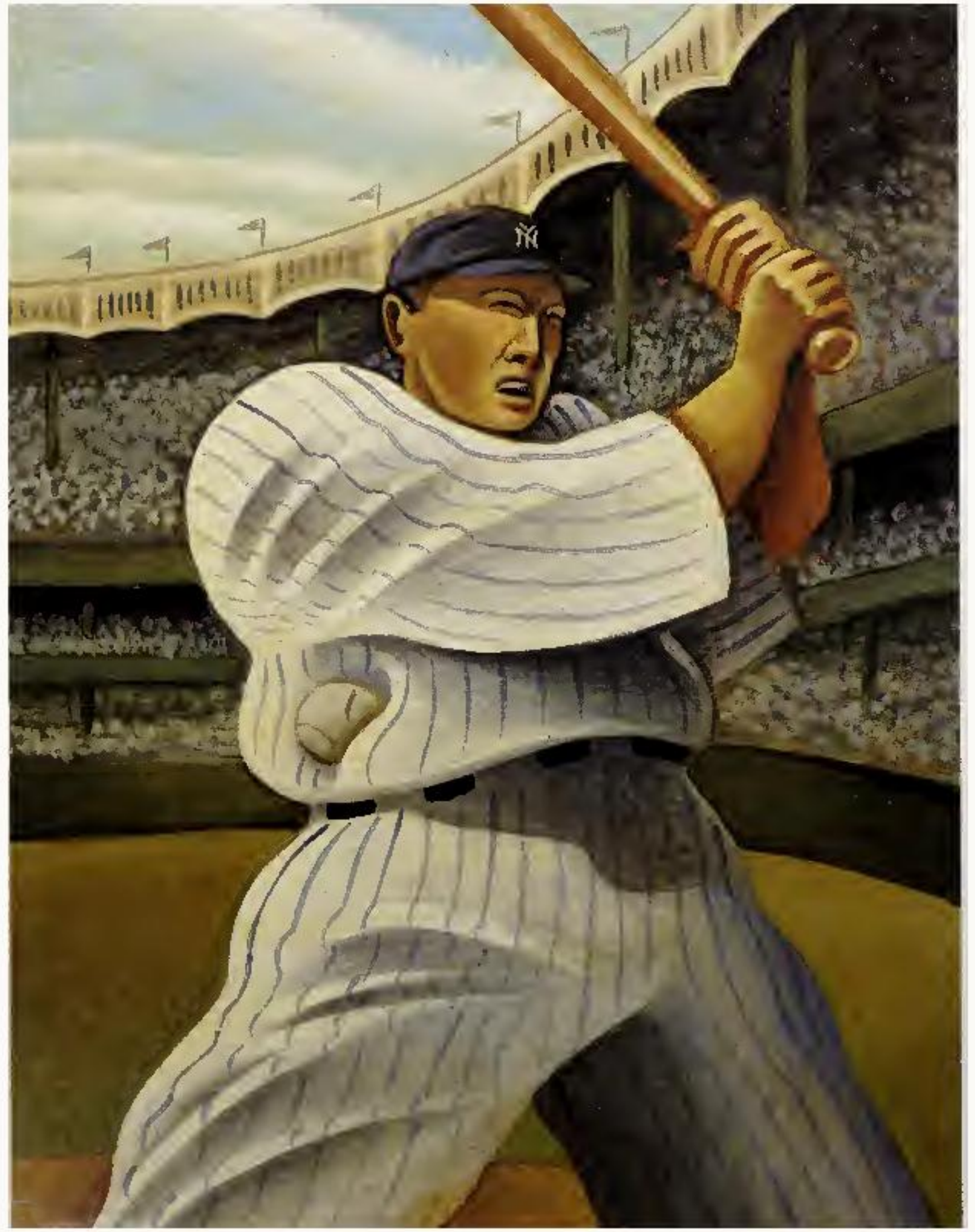
यैंकीस् के अनुबंध पर दस्तख़त करने पर लू को 1,500 डॉलर और एक अच्छे मासिक मेहनताने की पेशकश की गई थी। उसके परिवार को पैसों की ज़रूरत थी। सो लू ने कॉलेज छोड़ दिया। पर लू की माँ बेहद नाराज़ हुई। उनका पक्का विश्वास था कि लू अपनी ज़िन्दगी बर्बाद कर रहा है।







1 जून 1925 के खेल में यैंकीस् के मैनेजर ने लू को शॉर्ट स्टाप पर बल्लेबाज़ी करने भेजा। अगले दिन लू टीम के प्रथम बेसमैन वॉली पिप की जगह खेला। ये लू के अद्‌भुत रेकॉर्ड के पहले दो खेल थे। आगामी 14 वर्षों तक लू गैरिग ने लगातार 2,130 खेलों में भागीदारी की। जो लड़का स्कूल से कभी गैर-हाज़िर नहीं रहा था, वह एक भी खेल में गैर-हाज़िर नहीं रहने वाला खिलाड़ी बन गया।



लू गैरिग पैट दर्द, बुखार, दुखती बाज़ुओं, पीठ दर्द, टूटी उंगलियों के बावजूद खेले। लगातार खेलते जाने के कारण लू को 'लौह घोड़े' (आयरन हॉर्स) का उपनाम मिला। अपने इस विलक्षण रेकॉर्ड की चर्चा उठने पर लू कहते, "मैं तो ऐसा ही हूँ।"

लू शर्मीले और संकोची थे पर जो लोग उन्हें खेलते देख चुके थे, वे यह जानते थे कि वे कितने उम्दा खिलाड़ी हैं। 1927 में लू के एक टीम साथी बेब रूथ ने साठ होम रन मारे। यह अब तक के किसी एक सीज़न के सबसे ज़्यादा 'हिट' थे। पर बेसबॉल लेखकों ने अमरकी बेसबॉल लीग के बेशकीमती खिलाड़ी के रूप में लू को चुना। 1936 में उन्हें एक बार फिर से बेशकीमती खिलाड़ी घोषित किया गया।



तब 1938 के बेसबॉल सीज़न में - अचानक, बिना किसी ज़ाहिर कारण के, लू गैरिग बेहतरीन बल्लेबाज़ी नहीं कर सके। एक अख़बार ने लिखा कि लू पहले की तरह पूरा दम लगा बल्ला चलाते, पर जब बल्ला गेंद से टकराता, बॉल दूर तक जा ही नहीं पाती।

लू ने वर्जिश की, बल्लेबाज़ी का ज़्यादा अभ्यास किया। वे गेंद को पीटने अब तक जिस तरह खड़े होते थे और जिस तरह बल्ला पकड़ते थे, उसे भी बदला। 1938 की सर्दियों में उन्होंने अपने खानपान का पूरा ध्यान रखा।

पर अगले बसन्त उनका खेल और भी बदतर हो गया। वे गेंद का पीटने के लिए बार-बार बल्ला चलाते पर उसे पीट न पाते। उन्हें फील्डिंग करने में भी दिक्कत होने लगी। खेल मैदान के बाहर भी उन्हें परेशानियाँ होने लगीं। तब एक दिन जब लू क्लबहाउस में, खेलने के पहले कपड़े बदल रहे थे, वे गिर पड़े।

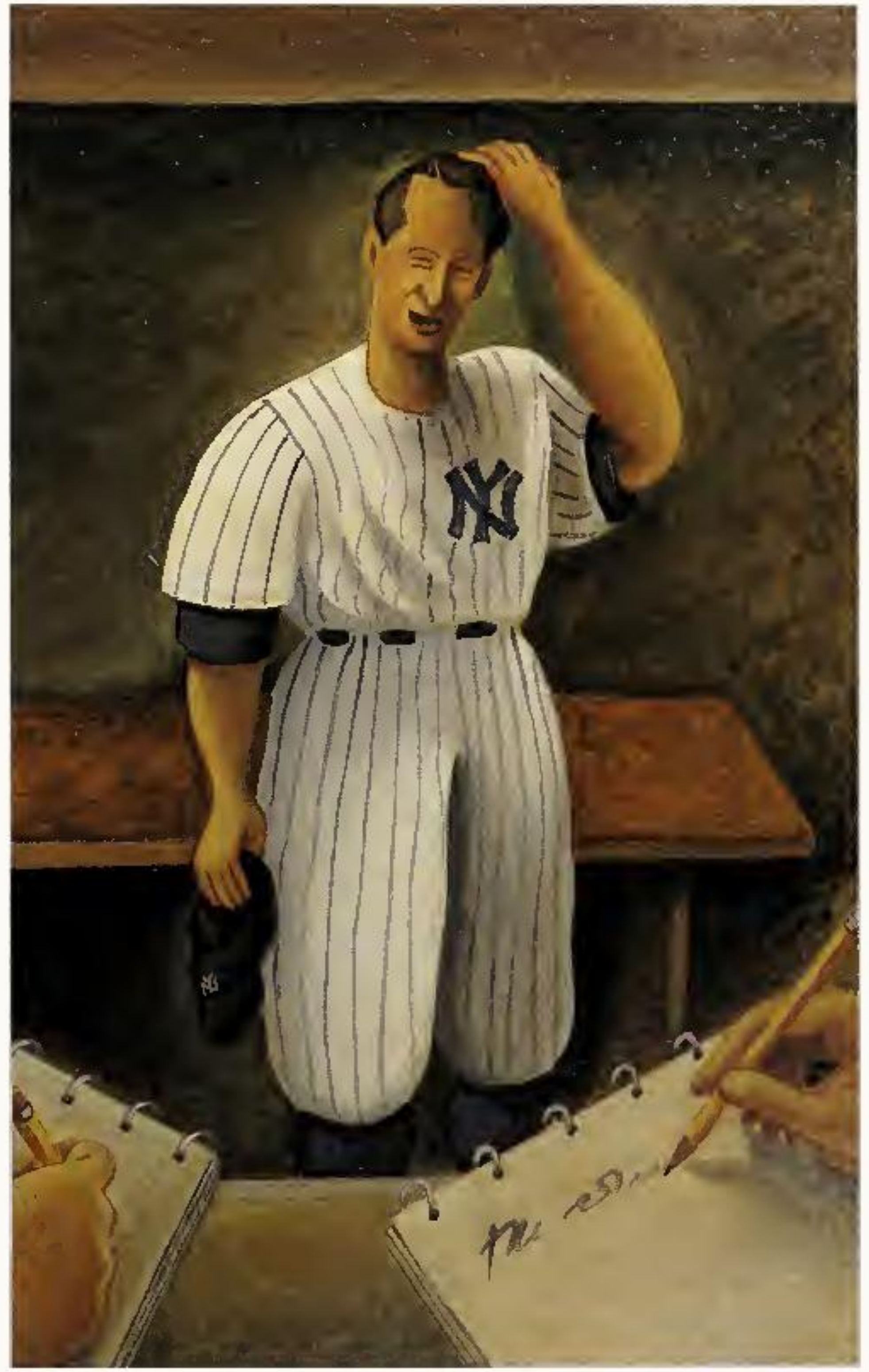




कुछ लोगों ने यैंकी मैनेजर जो मैकार्थी से कहा कि उन्हें लू को टीम से हटा देना चाहिए। पर मैकार्थी ने इन्कार कर दिया। मैकार्थी लू का सम्मान करते थे। उन्होंने कहा कि "लू तब तक खेलेगा जब तक वह खेलना चाहेगा।" पर लू स्वार्थी नहीं थे। 2 मई 1939 को लू ने एलान किया, "मैं टीम की भलाई के लिए खुद को टीम से बाहर करता हूँ।"

जब ख़बरनवीसों ने लू से यह पूछा कि उन्होंने टीम से बाहर होना क्यों चुना? लू ने यह नहीं कहा कि उन्हें कमज़ोरी महसूस होती है, या दौड़ने में परेशानी होती है। उन्होंने साफ़ कहा कि वे गेंद को मार नहीं पा रहे और उनसे फील्डिंग भी नहीं हो पा रही है।

13 जून 1939 को लू, विशेषज्ञों से जाँच करवाने रॉचैस्टर, मिनिसोटा के मेयो क्लिनिक में गए। 19 जून को, उनकी छत्तीसवीं सालगिरह के दिन विशेषज्ञों ने उनकी पत्नी इलेनॉर को बताया कि लू को एमायोट्रोपिक लेटरल स्क्लैरॉसिस नामक घातक रोग हुआ है जो केन्द्रीय नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र) पर असर करता है।





लू इसके बाद भी टीम के साथ रहे, पर अब वे खेलते नहीं थे। उनका वज़न लगातार घट रहा था। उनके बाल सफेद होने लगे थे। किसीको लू को यह बताने की ज़रूरत नहीं थी कि वे मौत के क़रीब बढ़ रहे हैं। वे यह जानते थे। "मेरे पास बहुत समय नहीं है," उन्होंने अपनी टीम के एक साथी से कहा। लू को खेल देखने जाना, क्लब-हाउस में समय बिताना और अपने साथियों के साथ बैठना पसन्द था। हर खेल के पहले वे होम प्लेट पर खड़े अम्पायर को यैंकी खिलाड़ियों के लाइनअप का कार्ड देने जाते। उनके साथ हमेशा टीम का एक साथी या कोच होता ताकि वे गिर न जाएं। जब भी लू खेल मैदान पर आते उनके प्रशंसक खड़े हो बहादुर लू गैरिग के लिए तालियाँ बजाते।

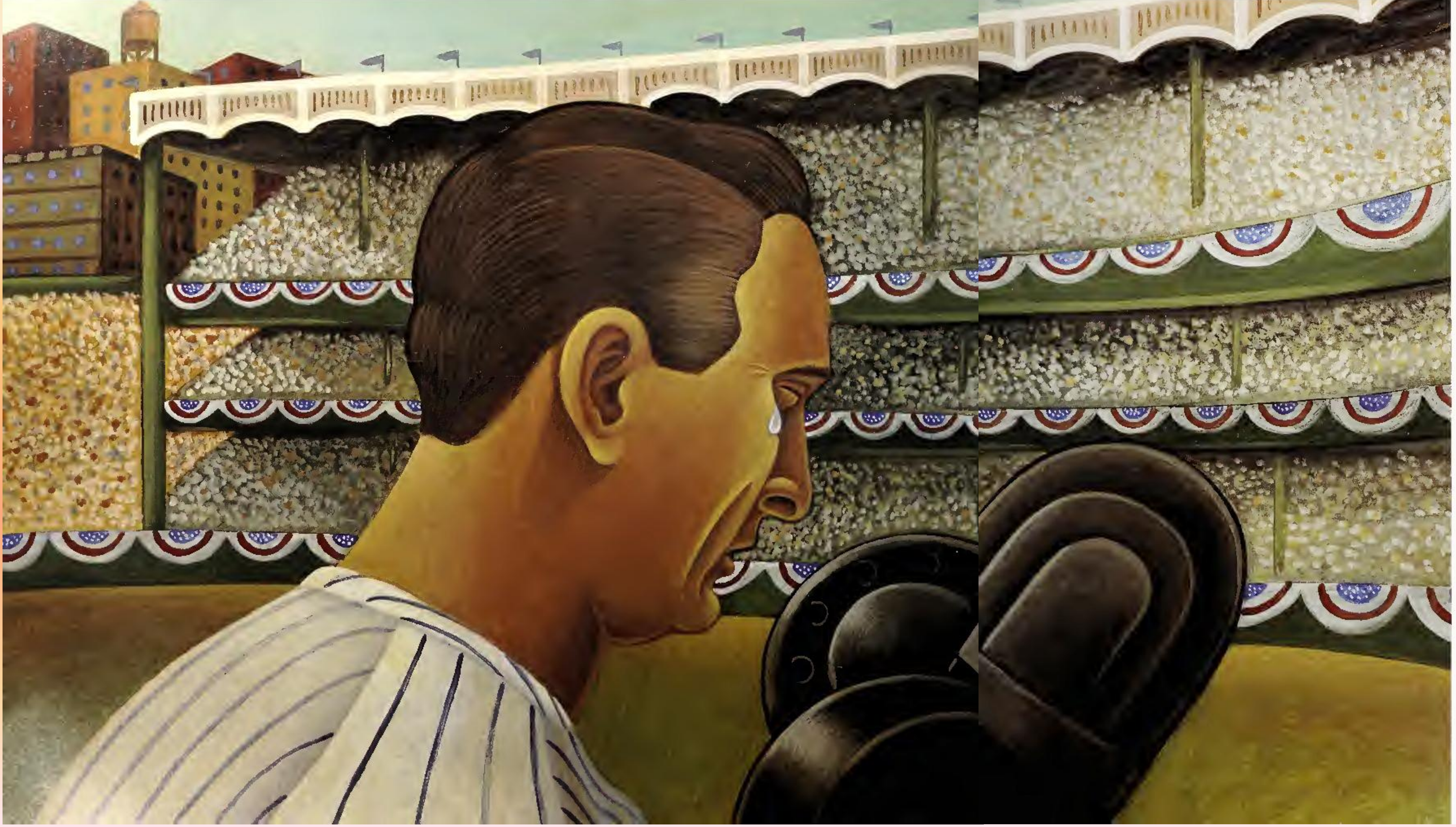


पर यैंकी प्रशंसक और टीम लू के लिए कुछ और भी करना चाहते थे, ताकि लू को यह पता चल सके कि वे सब उनसे कितनी मुहब्बत करते हैं। सो उन्होंने 4 जुलाई 1939 को यैंकी स्टेडियम में लू गैरिग एप्रीसिएशन डे (सराहना दिवस) मनाया।

1927 के यैंकीस् - जो अब तक की सबसे बेहतरीन बेसबॉल टीम थी - के कई खिलाड़ी अपने पूर्व साथी का सम्मान करने आए। बैंड-बाजा, तोहफे थे। लागों ने भाषण दिए। न्यू यॉर्क के मेयर फियोरेलो ला गार्डिया ने लू से कहा, "आप खेल भावना और नागरिकता का श्रेष्ठ उदाहरण हैं।"

जब शुक्रिया अदा करने का वक़्त आया लू भावुक हो गए। उनके लिए बोलना मुश्किल हो गया। पर उनके प्रशंसक दोहराने लगे, "वी वॉन्ट गैरिग! हमें गैरिग चाहिए!"



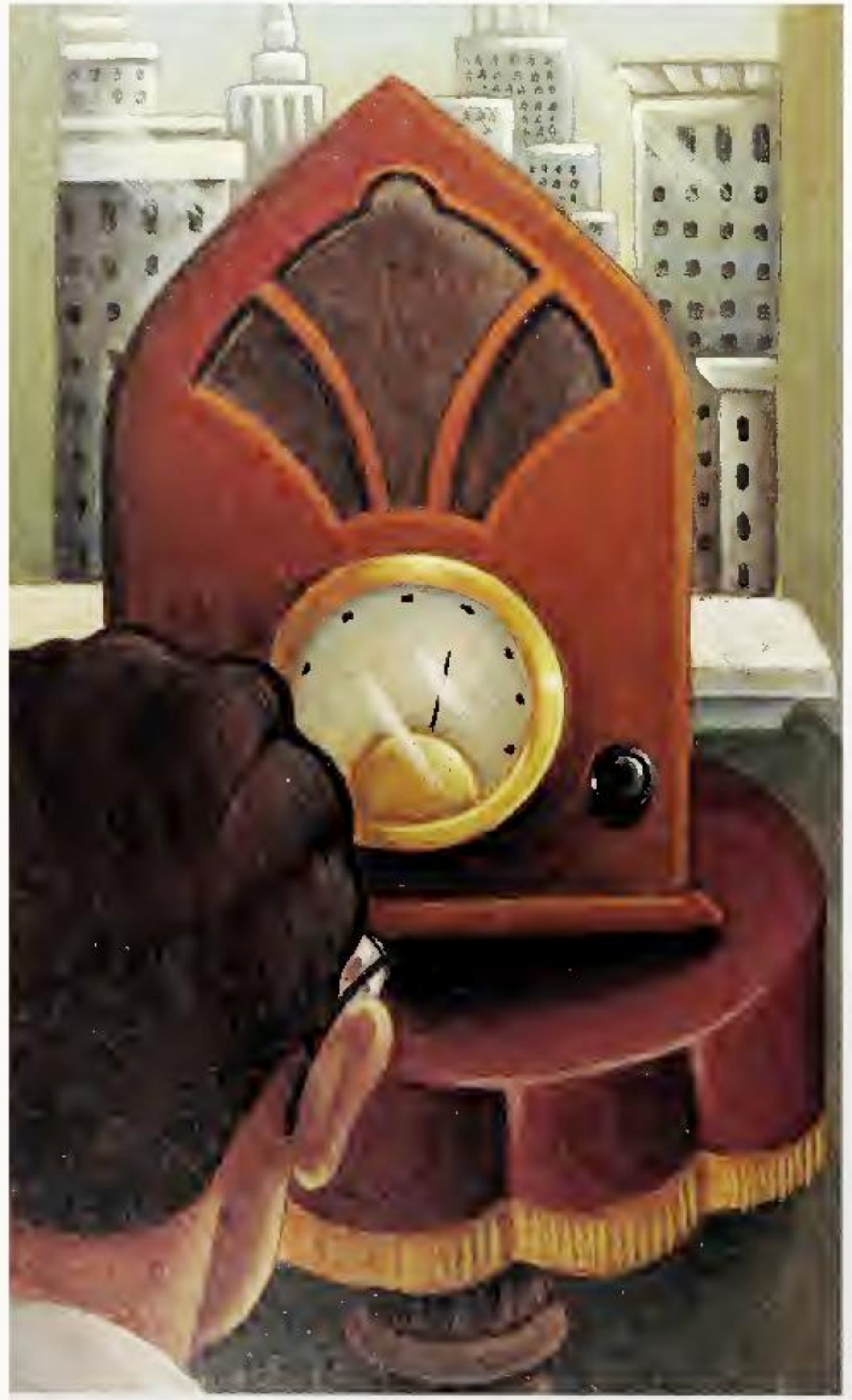


लू अपनी यैंकी वर्दी में धीरे-धीरे माइकों की कतार की ओर आए। उन्होंने अपनी नम आँखें पोंछी, अपनी टोपी उतार हाथों में पकड़ी, अपना सिर झुका आहिस्ता से बोले।

''प्रशंसकों,'' वे बोले, ''पिछले दो सप्ताहों से आप पढ़ते रहे होंगे कि मेरे साथ कितना बुरा हुआ है। पर मैं खुद को इस धरती का सबसे खुशकिस्मत इन्सान मानता हूँ।''

उन्होंने जो कहा वह साहस से भरा था। उन्होंने अपनी जानलेवा बीमारी की शिकायत नहीं की। उन्होंने अपने आशीषों और भविष्य की बात की। ''बेशक मैं खुशनसीब हूँ,'' उन्होंने प्रशंसकों और परिवार के बारे में बात करते दोहराया।

लू ने बताया कि लोगों ने उनके साथ कितना भला बरताव किया है। उन्होंने अपने टीम सदस्यों की तारीफ़ की। अपने माता-पिता और पत्नी का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पत्नी को ताकत की मीनार कहा।



यैंकी स्टेडियम में मौजूद साठ हज़ार से भी अधिक प्रशंसक लू गैरिग के सम्मान में खड़े हुए। लू ने उन्हें और उन हज़ारों प्रशंसकों को, जो रेडियो पर उन्हें सुन रहे थे कहा, "मैं यह कह अपनी बात खत्म करता हूँ कि मेरे साथ बुरा ज़रूर हुआ है, पर जीने के लिए मेरे पास बहुत कुछ है। आप सबका शुक्रिया।" लू माइकों के पास से हटे, उन्होंने अपनी आँखें पोंछी स्टेडियम की भीड़ ने गर्जना की और बेब रूथ ने वह किया जो उस दिन कई लोग करना चाह रहे थे। उन्होंने लू गैरिग के गिर्द बाँहें डालीं और उन्हें गले लगाया।

बैण्ड ने "आई लव यू ड्ली" गीत बजाया। और उनके प्रशंसकों ने गीत के साथ दोहराया, "हम तुमसे सचमें मुहब्बत करते हैं, लू!"

उस दोपहर जब लू स्टेडियम से लौट रहे थे, उन्होंने अपनी टीम के एक सदस्य से कहा, "यह दिन मुझे एक अर्से तक याद रहेगा।"





दिसम्बर 1939 में लू गैरिग को बेसबॉल हॉल ऑफ फेम के शामिल करने के वास्ते चुना गया। और यैंकीस् ने उनकी वर्दी को रिटायर कर दिया। यानी यह ऐलान किया कि आगे उनका कोई भी खिलाड़ी संख्या चार का इस्तमाल नहीं करेगा। ऐसा पहली बार हुआ कि किसी मेजर लीग बेसबॉल टीम ने अपने किसी खिलाड़ी के सम्मान में ऐसा कदम उठाया हो।

मेयर फियेरेले ला गार्डिया ने सोचा कि लू का साहस, उनकी एकनिष्ठा शहर के परेशान किशोरों और युवाओं को प्रेरित कर सकते हैं। उन्होंने लू को यह प्रस्ताव दिया कि वे पूर्व युवा कैदियों के लिए न्यू यॉर्क परोल आयोग में काम करें। लू के पास कहीं अधिक पैसा कमाने के तमाम अन्य विकल्प थे। पर उन्हें लगा कि मेयर का सुझाया काम उन्हें उस शहर के लिए कुछ करने का मौका देगा, जिसने उन्हें इतना कुछ दिया था।



पर साल भर से कुछ ही ज़्यादा समय बीता होगा कि लू को यह काम छोड़ना पड़ा। वे बेहद कमज़ोर हो चले थे। वे अब घर पर ही रहते और उन्हें आसान काम करने तक में दिक्कत होने लगी थी।

लू से मिलने कई लोग आते। लू कभी भी उनसे अपने रोग या मौत की बात नहीं करते। एक बार उनका एक मित्र उनकी हालत देख परेशान हो गया। लू ने उसे फ़िक्र न करने को कहा। "मैं धीरे-धीरे बेहतर हो जाऊंगा," वे बोले। अपने मित्रों को भेजे कार्ड में लू ने लिखा, "मेरे पास शुक्रगुज़ार होने के लिए बहुत कुछ है।"




YANKEE STADIUM

मई 1941 के मध्य तक लू की हालत ऐसी हो गई कि वे बिरले ही अपना बिस्तर छोड़ पाते थे। सोमवार 2 जून 1941 के दिन लू गैरिग की मृत्यु हो गई। वे सैंतीस वर्ष के थे।

4 जून को यैंकीस् का खेल बारिश की वजह से रद्द हुआ। कुछ लोगों का मानना था कि यह उचित ही था - क्योंकि इसी दिन लू का अंतिम संस्कार होने वाला था।

संस्कार के समय पादरी ने कहा कि कोई भाषण नहीं होंगे। "हमें किसी भाषण की दरकार नहीं है, क्योंकि आप सब उन्हें बखूबी जानते थे।" यह विनम्र लू गैरिग के संदर्भ में उचित ही था।





लू गैरिग की दृढ़ता विख्यात है। न्यू यॉर्क यैंकीस् के साथ प्रथम बेसमैन के रूप में बिताए 14 वर्षों में लू, एक बार भी खेल से गैर-हाज़िर नहीं रहे। उनकी ताकत के कारण उन्हें 'लौह अश्व' (आयरन हॉर्स) का उपनाम मिला। वे अपने समय में लगातार 2,130 खेलों में शिरकत करने का विश्व रेकॉर्ड बना सके। लू बेसबॉल से प्यार करते थे और खुद को बेहद खुशकिस्मत मानते थे - चौंतीस वर्ष की उम्र में उन्हें एक दुसाध्य व घातक रोग हुआ।

यह जीवनी लू की ज़िन्दगी और उनकी उपलब्धियों का बयान करती है। उनके बल, विनम्रता, और गरिमा को समेटती है, जिनके कारण इस विलक्षण व्यक्तित्व को हमेशा याद रखा जाएगा।